Date :

HISTORY (S H)

B.A - II
UNIT - II - 6 (Sultanate)

(B) Ruling elites

Iqta (इक्ता प्रणाली)

सल्तनतकालीन शासन में मानक प्रांतीय प्रशासन की स्थापना नहीं हो पायी थी। मानक प्रांतीय प्रशासन पहली बार अकबर के समय हुई थी। इस काल में प्रांतीय व्यवस्था व्यवस्थित तरीके से स्थापित नहीं हो पाई थी।

इब्नबतूता ने मुहम्मद बिन तुगलक के समय 23 सूबों (प्रांत) की चर्चा करता है। फिरोज तुगलक के समय 55 परगनों की जानकारी मिलती है।

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

इक्ता का अर्थ:-

धन के स्थान पर तनख्वाह के रूप में भूमि प्रदान करना अर्थात् जमीन का टुकड़ा।

दिल्ली सल्तनत में दिन-प्रतिदिन नये-नये राज्यों का उदय हो रहा था जिसके कारण दिल्ली सल्तनत का विस्तार हो रहा था। अतः इल्तुतमीश ने दिल्ली साम्राज्य को कई छोटे-छोटे क्षेत्रों में विभक्त कर दिया। इन भागों को ही इक्ता कहा गया। तथा इन क्षेत्रों पर शासन करने वाले अधिकारी को इक्तेदार कहा गया।

=> इक्ता प्रणाली का प्रारंभ:-

- इक्ता व्यवस्था की शुरुआत भारत से बाहर फारस (ईरान) तथा पश्चिमी एशिया में हो चुकी थी।

Scanned with CamScanner

Date :

→ भारत में मुहम्मद गोरी द्वारा कुतुबुद्दीन ऐबक को हाँसी (हरियाणा) का क्षेत्र इक्ता के रूप में दिया गया पहला इक्ता था।

→ प्रशासनिक रूप से इक्ता की स्थापना इल्तुतमिश द्वारा की गई थी।

→ इक्ता प्रणाली की आवश्यकता :-

- इक्ता प्रणाली की शुरुआत आरंभिक तुर्की सुल्तानों की आवश्यकता से हुई। राजधानी से दूर स्थित सल्तनत के वे क्षेत्र जिनसे राजस्व वसूली आसानी से न हो, सुल्तान द्वारा इक्ता के रूप में दी जाने लगी। ये इक्तायें सुल्तान की प्रशासनिक और सैनिक सेवा करने के बदले में प्रदान की जाती थी।

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

इस प्रकार सुल्तानों ने इक्तायें बाँटकर सीमावर्ती क्षेत्रों में सल्तनत का प्रभाव स्थापित किया तथा नियमित रूप से राजस्व भी वसूला। दूसरी तरफ संबंधित अधिकारी को अपने अधीन एक क्षेत्र मिला, जिसमें अपनी योग्यता के अनुरूप वह राजस्व प्राप्त करता था।

इल्तुतमीश ने गंगा-यमुना के दोआब में हिन्दू जमींदारों की शक्ति को तोड़ने के लिए शम्सी तुर्की अमीरों को 2000 इक्तायें बाँटी।

=> इक्ता के प्रकार —

(1) बड़ी इक्ता :—
बड़े क्षेत्र महत्वपूर्ण अमीरों व सेनाधिकारियों

Scanned with CamScanner

Date :

को दिये जाते थे। ये इक्तादार इक्ता भूमि भूमि में राजस्व वसूली के साथ-साथ सैनिक और प्रशासनिक कर्त्तव्य भी करते थे।

(ii) छोटी इक्ता :

ये सामान्यतः वेतन के रूप में सैनिकों को प्रदान की जाती थी। इससे संबंधित इक्तेदार केवल राजस्व वसूली करता था।

⇒ इक्तेदार के कार्य:-

- लगान वसूल करना।
- सैनिक व्यवस्था करना।
- शांति स्थापना करना।

Scanned with CamScanner

Date : ______

इक्तेदार अपनी इक्ता में प्रशासनिक व सैनिक दोनों प्रकार के कार्य करते था। इक्ते-दार अपने राजस्व से प्राप्त कर के वेतन व प्रशासनिक व सैनिक खर्च पर करता था। जो रकम बचता था उसे व सरकार के खजाने में जमा करता था। वह शेष रकम के फवाजिल कहा जाता था।

इक्तेदार का पद हस्तां-रित रहता था। समय-समय पर सुल्तान के इक्तेदारों का हस्तांतरण किया करता था। इससे इक्तेदार पर अधिकार का द्योतक था। इस प्रकार राजपूत कालीन सामंती पद्धति में सुल्तान का अपने इक्तेदारों पर

Scanned with CamScanner

Date :

अधिक नियंत्रण होता था।

फिरोज शाह तुगलक ने इसे वंशानुगत कर दिया।

(iv) इक्तेदारी प्रणाली के दोष:-

इक्तेदार आय व खर्च का हेरा-फेरी कर भ्रष्टाचार किया करते थे। इसे रोकने के लिये तथा इक्तेदार पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए अलग-अलग सुल्तानों ने अलग-अलग उपाय किया

→ बलबन ने ख्वाजा नामक अधिकारी नियुक्त किया जो इक्ता भूमि की आय का आकलन किया करता था।

Scanned with CamScanner

- अलाउद्दीन ने इक्तेदारों के स्थानांतरण पर बल दिया तथा 3 वर्ष से अधिक किसी इक्तेदार को एक इक्ते में नहीं रखा।

→ गयासुद्दीन तुगलक इक्तेदार की व्यक्तिगत आय तथा उसके अधीन सैनिकों का वेतन अलग - अलग रूप में निर्धारित कराया। जिसे वसालत - ए - हशम का नाम दिया।

- मुहम्मद - बिन तुगलक ने इक्तेदारों पर अत्यधिक नियंत्रण लगाया, उसने इक्तेदारों के समकक्ष राजस्व क्षेत्र में अमीर नामक अधिकारी को नियुक्त किया।

Date :

→ मुहम्मद बिन तुगलक ने इक्तेदारों के अधीन सैनिकों और केन्द्रीय खजाने से नकद वेतन देने की घोषणा की।

- इस प्रकार अत्यधिक नियंत्रण के कारण ही मुहम्मद बिन तुगलक के समक्ष विद्रोह कर दिया।

इस प्रकार हम देखते हैं कि इक्ता प्रणाली प्रांतीय शासन व्यवस्था चलाने की एक प्रणाली थी।

DR. UDAY KUMAR

Scanned with CamScanner